एम.पी.ए.–034

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.डी.आर.आर.एम.)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्रों में
नामांकित छात्रों के लिए

कोर्स कोडः एम.पी.ए. 034
आपदा भेद्यता और ज़ोखिम मूल्यांकन

समाजिक विज्ञान विधापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय विधार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम मार्गदर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत् मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परिणाम में, पाठ्यक्रम केसत्रीय कार्य का 30 प्रतिशत भारांक होता है, जबकि 70 प्रतिशत भारांक सत्रांत परीक्षा के लिए दिया जाता है।

आपको चार क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए एक शिक्षक अंकित सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। यह पाठ्यक्रम, **"आपदा भेद्यता और ज़ोखिम मूल्यांकन" (एम.पी.ए. 034),** चार क्रेडिट कापाठ्यक्रम है। इस सत्रीय कार्य में एक टीएमए है, जिसके कुल अंक 100 हैं और इसका 30 प्रतिशत भारांक होता है।

सत्रीय कार्य का प्रयास करने से पहले कृपया कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दी गई निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह आवश्यक है कि आप टीएमए में पूछे गए सभी प्रश्नों का प्रयास करें और उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर एक निश्चित प्रश्न के लिए निर्धारित शब्द सीमा के भीतर होने चाहिए। ध्यान रखें किसत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन क्षमता में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेगा।

जैसा कि कार्यक्रम मार्गदर्शिका में बताया गया है, आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के लिए निर्धारित समय के भीतर सभी सत्रीय कार्य जमा करने होंगे।

सत्रीय कार्य (असाइनमेंट जमा करने की प्रक्रियाः

प्रवेश सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	जमा करने का स्थान
जुलाई 2025 सत्र में नामांकित विधार्थी	**31 मार्च 2026**	**विधार्थी के अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास**
जनवरी 2026 सत्र में नामांकित विधार्थी	**30 सितम्बर 2026**	

आपको जमा किए गएसत्रीय कार्य की रसीद अध्ययन केंद्र से प्राप्त करनी होगी और इसे सुरक्षित रखना चाहिए। यदि संभव हो, तोसत्रीय कार्य की एक फोटो कॉपी अपने पास रखें।
अध्ययन केंद्र कोसत्रीय कार्य का मूल्यांकन करने के बाद आपको सत्रीय कार्यवापस करना होगा। कृपया इस पर जोर दें। अध्ययन केंद्र को अंकों को इग्नू, नई दिल्ली के छात्र मूल्यांकन प्रभाग में भेजना होता है।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार दें। आपको निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगाः

1) योजनाः सत्रीय कार्यमें पूछे गए प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें, और उन इकाइयों को देखें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के बारे में कुछ बिंदु बनाएं, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें।

2) संगठनः उत्तर कीप्राथमिक रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक रहें। विशेषतः भूमिका और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि आपका उत्तरः

- तार्किक और संगत हो;
- वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो, और
- उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो, जिसमें आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर्याप्त हो।

3) प्रस्तुतिः जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो अंतिम संस्करण को प्रस्तुत करने के लिए साफ–सुथरे ढंग से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कीजिए। यह सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर हो।

आपको शुभकामनाएं!

कार्यक्रम समन्वयक
लोक प्रशासन संकाय
सामाजिक विज्ञान विधापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

एम.पी.ए–034 आपदा भेद्यता और ज़ोखिम मूल्यांकन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रमकोड : एम.पी.ए.–034
सत्रीय कार्यकोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./2025–2026
पूर्णांक : 50

यह सत्रीय कार्य भाग–I और भाग –II में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पांच प्रश्न हैं। आपको सभी प्रश्नों का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना है।सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं।

भाग –I

1) 'खतरा जोखिम तथा संवेदनशीलता अंतर–संबंधित है और इनका अध्ययन एक साथ किया जाना आवश्यक है' विस्तृत वर्णन कीजिए। 10

2) जोखिम की अवधारणा के साथ–साथ गहन और व्यापक जोखिम की विशेषताओं को रेखांकित करते हुए आपदा जोखिमों की प्रकृति का वर्णन कीजिए। 10

3) समग्र आपदा जोखिम प्रबंधन का परीक्षण कीजिए। 10

4) जोखिम प्रबंधन की तकनीक तथा उपाय को उजागर कीजिए। 10

5) 'जोखिम उद्देश्यों पर अनिश्चिता का प्रभाव है'। टिप्पणी कीजिए। 10

भाग –II

6) संवेदनशीलता के विभिन्न आयामों की व्याख्या कीजिए। 10

7) आपदा जोखिम न्यूनीकरण को मुख्यधाराओं में लाने के संरचनात्मक और गैर–संरचनात्मक उपायों का विश्लेषण कीजिए। 10

8) शहरों को आपदा जोखिमों के प्रति संवेदनशील बनाने वाले कारकों का परीक्षण कीजिए। 10

9) सूचना तथा संचार के विभिन्न उपकरणों की संक्षिप्त में व्याख्या कीजिए। 10

10) 'आपदा प्रतिक्रिया के लिए उपलब्ध संसाधनों का पता लगाना और उनका आकलन करना संसाधन विश्लेषण है' स्पष्ट कीजिए। 10